

## विषय—सूची

1.	कागा सब तन खाइयो	1
2.	कहे भगवन तुम्हें पाकर	2
3	कौन कहता है कि दीदार नहीं होता है	3
4	क्या कहें कौन सी दौलत है गुरु	4
5	क्या जाने जाने दम कोई को यार	5
6	कुछ लेना न देना मग्न रहना	6
7	कान्हा खो गया दिल मेरा तेरे वृन्दावन में	7
8	कोई आन मिलाये, प्रीतम प्यारा	8
9	किया मैंने संतो से व्यापार	9
10	कलयुग विच तेरा अवतार हो गया	10
11	गुड नालो इश्क मीठा ओए होए	11
12	गुरु ऐसो जीयो में समाये गए रे	13
13	गुरु ब्रह्मज्ञान वाले तीर मारदे, नी संझ्यो सचमुच	14
14	गुरुदेव मेरे घर आए, मिल गईयां मौज बहारा	15
15	गुरु चरण दे नाल मथा जदो टेकया	16
16	गुरां दे घर आन वालयां दी बेडी कदे न अडी	17
17	गुरु मेरी पूजा गुरु गोविन्दा	18
18	गुरु ज्योत से ज्योत जलाए	19
19	गमां वाला चरखा, ते दुखां दियां पुणियां	20
20	गल सुन मनवा मेरे, वे सतगुरु अंग संग तेरे	21
21	गली प्रेम वाली अज कतल गाह बन गई	22
22	गा मेरे मन गा, गा हरि गुण गा	23
23	गुरु ने दिया आत्मज्ञान, बना मन मंदिर	24
24	गुरां इक देह बुझाई	25

25	चारों पासे सुख होवे, किसे न नू दुख होवे	26
26	चरणां विच बिठाया ऐ, चरणां विच रूल जाना	27
27	चरण कमल तेरे धोये-2 पीवां	28
28	जीवन की घड़ियां वृथा न खो,	29
29	जरा तो इतना बता दो भगवान	30
30	जो डूबे तेरे प्यार में	31
31	जिंनू चन्न चन्न कहके वाजां मारदी फिरां	32
32	जी मैं तेरा तेरा तेरा सच्चे बादशाह	33
33	जुड़ी रहे जुड़ी रहे, मेरी तार गुरां नाल	34
34	जे तू बैलिया, तन मन दे नाल	35
35	जे तूं नां फडदा बांह, असां रूल जाना सी	36
36	जब गम का गुबार दिल से	37
37	जे इक तेरा प्यार, मेरे दिलदार, सावल यार	38
38	जैसा राधा ने माला जपी श्याम की	39
39	जेड़े इश्क तेरे विच रंगे नें	40
40	जो तू है सो मैं हूं, जो मैं हूं सो तू है	41
41	जो मस्ती की मस्ती को पहचानता है	42
42	जपो सतनाम-2-2 जी वाहे गुरू-2-2 जी	158
43	तू तो डूबा हुआ तर जायेगा	43
44	तेरया चारणा नाल मेरा जो प्यार है	44
45	तेरे दर ते आ गईयां दर छडया नहीं जांदा	45
46	तुम शरणाई आया ठाकुर	46
47	तुम्हें दिल्लगी भूल जानी पड़ेगी	47

48	तेरे बिना ए दिलदार	48
49	तेरे प्रेम में, विश्वास में, और मन रहे तेरे	49
50	तू माने या माने दिलदारा	50
51	तेरे दर आके गुरुजी, हरि ओम गाके गुरुजी	51
52	तमाशा तुझमें होता है तमाशे में क्यों रोता है	52
53	तुम्हारी भी जय-जय, हमारी भी जय-जय	53
54	तेरे संग में रहेंगे ओ मोहना	54
55	तू ही तू ही तू ही तू ही – निर्भो	55
56	तेरा प्यार दा चढ़ गया रंग मैं	56
57	तन वारा तेरे तो मन वारा	57
58	तुमको मांगते हैं तुमसे	58
59	तू प्यार का सागर है,	59
60	दादा के ज्ञान में वो शक्ति है	60
61	दिलकश है तेरा नशा, सूरत ही निराली है	61
62	दर्शन पादियां ही चढ़ गई खुमारी,	62
63	दिल दे सिंहासन उते कौन आकै बै गया	63
64	दीवानों का मेला, है सत्संग वेला	64
65	दाता तेरा नाम लिखिया, ऐ मेरा साहां ते	65
66	दिन होवे रात होवे तेरा जिक्र करां मैं	66
67	देखो संतो दिन सुहाना आ गया	69
68	दसो जी गुरुजी दी झोली विच की	70
69	निका जया काम श्यामा,	71
70	न पूछो ये मुझसे मैं क्या देखता हूं	72
71	नहियों जिंदगी दा कोई वसा	73

72	नाकर अब तू मेरा तेरा	74
73	नित खैर मंगा सोनिया मैं तेरी	75
74	नाम खुमारी नानका चढ़ी रहे दिन रात	76
75	नी मैं तेरे रंग रंगया, रांझन यार	77
76	निराकार जया सजया सवारे	78
77	पिला दे ओ साहिबा राम नाम की मस्ती	79
78	पूरा ध्यान लगा गुरुवर दौड़े-दौड़े आएंगे	80
79	प्रीत की लत मोहे ऐसी लागी	81
80	पीता भी रहूं और प्यास भी हो	82
81	पहचान सके तो पहचान	84
82	प्रेम सुधा बरसा रहा, अमृत वाणी दे रहा	85
83	प्रभु के दर पे आना चाहता हूं	86
84	प्रेम जब अनन्त हो गया	87
85	प्रेम हमारी साधना है, प्रेम हमारा पंथ है	88
86	पूर्ण मांहि रहना साधो	89
87	पल दो पल की क्यों है जिदंगी	90
88	प्रीतम मतवाले हो, भगता दी आत्मा दे	91
89	बार बार बोलो ओम, हर पल बोलो ओम	94
90	बुए बांरियां ते नाले कंधा टपके,	95
91	बृज के नंद लाला, राधाजी के सांवरिया	96
92	बिना राम के तू किसी नाल प्यार न करी	97
93	बहुत जन्म बिछड़े थे माधो	98
94	ब्रह्मज्ञान की सीढ़ियों पे कोई-2 विरला चढ़े	99
95	बरसा बरसा सुख बरसा, सतगुरु प्यारे सुख बरसा	100

96	बक्श दैयो गुरु मौँजा दसवें द्वार दियां	101
97	मैं ओम में ऐसे रम जाऊं, ऐसी निर्मल बुद्धि कर दो	102
98	मना सावरे नू किस तरह पाइदा	103
99	मैं ओ आई फकत तेरे दीदार को	104
100	मेरी जिंदगी में क्या था, तेरी कृपा से पहले	105
101	मेहरां वाल्या सांईयां रखि चरणा दे कोल	106
102	महफिल रूहां दी मेरे सतगुरु लाई ए	107
103	मेरा जीवन तेरी शरण	108
104	मुझे रास आ गया है तेरे दर पे आना जाना	109
105	मैनु ता सतगुरु तेरी याद सतावे	110
106	मेरे साकिया बता दे, वो शराब कौन सी है	111
107	माही मैं तो गोविन्द के रंग राची	112
108	मुझे मेरी मस्ती कहां लेके आई	113
109	मैं बलिहारी सतगुरु मेरे,	114
110	मेरी रसना से प्रभु तेरा नाम निकले	115
111	मैनु लादो शामजी, अपने नाम वाली मेंहदी	116
112	मैं तो श्याम संग नेहा लगायो रे	117
113	मेरा सतगुरु पीरां दा पीर मेरा मन रंगया गया	118
114	मुझे रब मेरा मिलाया, ये कर्म नहीं तो क्या है	119
115	मैं तां हो गईया, होर दी होर नी	120
116	मुझे गरज न और सहारों की	121
117	मेरे साहिब तू मैं माण निमाणी	122
118	मन मेरो गज, जिह्वा मेरी काती	123
119	मेरी हीरिये फकीरीये नी सोनीये	124
120	मेरे सतगुरु रंगरेज, चुनर मेरी रंग डारी	126

121	मेरे सच्चे साहिबा, सब तेरा ही तेरा	127
122	मैं क्या जानूं तेरी रघुराई	129
123	मेरे साहिबा मैं तेरी हो चुकी हਾਂ	130
124	मेरे हृदय ते वाहेगुरु नाम लिख दे	131
125	मित्र प्यारे नू	133
126	ये कैसी कसक तूने, मेरे दिल में जगा दी है	134
127	ये तो सच है कि भगवान है	135
128	ये सतसंग वाला प्याला कोई पियेगा किस्मत वाला	136
129	ये सैर क्या है, अजब अनोखा	137
130	यह मत कहां से पाई रे साधो	138
131	राम नाम की नैया लेकर सतगुरु करे पुकार	139
132	रहमता करदा ए झोलियां भरदा ऐ जी	140
133	रसना पे अगर तेरा नाम रहे	183
134	रंग वाले देर क्या है मेरा चोला रंग दे	141
135	रोम-2 में लिखवा लो ओम हरि-2	142
136	रबा मेरेया ओ इश्क जगा दे जिंदी इंतहा न होवे	143
137	राम दा जहाज मेरे गुरां ने बनाया है	144
138	लगन सतगुरु से लगा बैठे, जो होगा देखा जाएगा	145
139	लगे जिन्दड़ी नू आन हुलारे	146
140	लगियां ने मौजां, हुन लाई रखी, दातया	147
141	लख खुशियां पातशाहईयां जे गुरु नदर करे	148
142	वडे मेरे साहिबा गहर गंभीरा, गुणी गहीरा	149

143	वो मैं सड़के ललारिया जावां	150
144	वैसे तो नशे अनेक हैं, ये नशा कुछ ओर है	151
145	शुकराने के गीत हम गाये	152
146	श्वांसो की डोरी से तू सिमरन के मोती पिरो ले	153
147	श्वास-श्वास सिमरां गोंविद	154
148	श्वासां दी माला नाल, सिमरां मैं तेरा नाम	155
149	शुक्र रबा मैं नू सतगुरु मिलया	156
150	श्वांसों की माला पे सिमरुं मैं पी का नाम	157
151	जपो सतनाम-2-2, वाहे गुरु-2-2	158
152	सतगुरु ने चुपके से मेरे कानों में,	160
153	सतगुरु पाया ते हो गईया निहाल नी संझ्यों	161
154	सतगुरु मेरे हैं मस्ताने, लांदे सबनू ठीक निशाने	162
155	संता दा संग बड़े पागा नाल मिलदा	163
156	साधो चुप का है विस्तारा	164
157	सतगुरु मैं तेरी पंतग	165
158	संझ्यो नी सोहनी सूरत वाला	166
159	सतगुरु प्यारे ने कितना बचाया है	167
160	साडे वेडे विच पैन लशकारे हां लशकारे	168
161	सानू रोग लान वालया	169
162	संझ्योनी मैं प्रीतम पिया को मनाऊंगी	170
163	साधो, सो सतगुरु मोहे भाये	171
164	सतगुरु सतगुरु बोल मेरे मनवा	172
165	सुनो मेरे प्यारे, सुनो मेरे प्रेमी	173
166	सब दे अंदर राम दिल न दुखाई किसी दां	174

167	सब गोविंद है-2, गोविन्द बिन नहीं	175
168	सुना है एक सौदागर आया,	176
169	हर श्वास में हो सिमरन तेरा	177
170	हमारे गुरु मिले ज्ञानी, पाई अमर निशानी	178
171	हर गुरु मुख सतगुरु दी अखियां दा तारा है	179
172	हरि ओम हरि ओम गाइये	180
173	हे दयालु प्रभु, हे कृपालु प्रभु	181
174	हीर प्रेम की डोली बै गई	182
175	हे गोपाल राधा कृष्ण गोविन्द-2 कृष्णा गोविन्द	183
176	है प्रेम जगत में सार, और कोई सार नहीं	188
177	है हक हकीकी इश्क में पागल मुझे बना दे	190
178	है राम नाम रस झीनी चदरिया	191
179	हर वक्त हंसी, हर वक्त खुशी	192
180	हम तेरे बिन अब रह नहीं सकते	193
181	अपना बना के तूने एहसास कर दिया है	194
182	ओ रे ज्ञान मिले, गुरु के मुख से	195
183	अजब प्याला इबादत का जो सतगुरु ने पिलाया है	196
184	अखियों करो दर्शन, सतगुरु आये	197
185	आ श्यामा तेरे ते रंग पावां	198
186	अमर आत्मा सच्चिदानन्द मैं हूँ	199
187	अलख धाम की है तू धारा जपले ओम-2 प्यारा	200
188	अंदर सतगुरां दा डेरा अंदर ज्योत जगदी	201
189	अमृत है सतगुरु का नाम पीजा घोल-2 के	202
190	आंखे बंद करूं या खोलूं	203



191	ओ रहमत के दाता तू बकशीश करता जा	204
192	ओम है जीवन हमारा ओम प्राण आधार है	205
193	ओम अक्षर बोल, मन में अमृत घोल, ओम	206
194	ओम जपा करो, सहारा मिल ही जायेगा	207
195	अरे लोगों तुम्हें क्या है	208
196	इक मेरे शाम दे बिना, सारी दुनिया बेगानी है	209
197	इक नशा तन मन में छाया है	210
198	इबादत कर इबादत करन दे नल गल बनदी ए	211
199	इश्क-इश्क-इश्क-इश्क, ये इश्क ही आग लगाते हैं	212
200	इश्का-2 अल्लाह हूँ-2	213
201	इक राधा, इक मीरा, दोनों ने श्याम को चाहा	214
202	इस जन्म का सही सारांश है	215
203	ऐ मेरे प्यारे गुरु, जन्मों से बिछड़े गुरु	216
204	ऐसा जाम पिला मेरे सतगुरु	217
205	ऐसी पोशाक मेरे यार ने पहनाई है	218
206	ऐ सनम तू मेरी जान ही जान है	219
207	एक घड़ी आधी घड़ी आधी से पून आध रे	220
208	ऐसा मांग गोविन्द से	222
209	ऐ री मैं तो प्रेम दीवानी	223

